ग्रैंड फादर

'वे आए तब उनके हाथों में बाइबिल थी और हमारे हाथों में जमीन।
ईश्वर के पास कोई नहीं है काला-गोरा : आओ आंखें मूंदकर प्रार्थना करें'
हम खुश हुए आंखें बंद कर लीं अनजाने : फिर आंखें खोल दी आशा के साथ
तो उनके हाथों में जमीन थी और हमारे हाथों में बाइबिल।

पोतों से कहने को इसके अलावा दूसरी परी कथा नहीं है
ऐसे समय दादाओं को सिखाने का सयानापन ग्रेट है। फिर भी मैं
करना चाहता हूं साहस। पच्चीस बरस अपने आप से बात करने के बाद
आप आ गए हो इधर पुकारते हुए। आप नायक हो आदिमों के।
क्या आप देखना चाहते हैं आदिवासी भारत को ?

गणतंत्र और स्वतंत्रता दिन पर आदिम कलाएं नाचती हैं राजधानी में
तब संस्कृति कैबरे करती है महलों में। उसकी पालकी
और हमारा जुलूस एक ही राजमार्ग पर से अजीब लगता है।
ये जंगलों के कारागृह अब सभी को प्रिय हैं। पेड़ों की रोज हत्या होती है तो
खांडववन संभव नहीं है। इस विजवासन को नकारा नहीं जा सकता।

आपका होता है विराट स्वागत। मंडल को खारिज किया जाता है
आपको बताया जाता है राजघाट, ताजमहल, लाल किला
छिपाया जाता है बस्तर को, बेलखेड़ा, जोतिबा बाबा को
सभा में उत्तर देते हुए कहते हैं आप- 'दिनभर हम आपस में
झगड़ते हैं : शाम चर्च जाकर माफी मांगते हैं, प्रार्थना
करते हैं !' ... सारा सभागृह गूंजता है तालियों से।

ग्रैंड फादर, आपसे कहने जैसा कुछ नहीं है
'वे आए तब उनके पास घुमक्कड़ी थी और हमारे पास इतिहास'
उन्होंने कहा- हम सभी चीजों की अदलाबदली करेंगे
और बदल देंगे दुनिया को। हमने विश्वास किया- और अब
उनके पास इतिहास है और हमारे पास घुमक्कड़ी

ग्रैंड फादर, क्या आप बुद्ध से परिचित हैं ? ◆

भुजंग मेश्राम